Resource: मुख्य शब्द (Biblica)

Biblica Study Notes (Key Terms) © 2023 Biblica Inc. Released under CC BY-SA 4.0 license. Biblica Study Notes has been adapted in the following languages: Tok Pisin, Arabic (عربي), French (Français), Hindi (हिंदी), Indonesian (Bahasa Indonesia), Portuguese (Português), Russian (Русский), Spanish (Español), Swahili (Kiswahili), and Simplified Chinese (简体中文)from Biblica Study Notes © 2023 Biblica Inc. Released under CC BY-SA 4.0 license by Mission Mutual.

मुख्य शब्द (Biblica)

ज

जकर्याह

यहूदा में एक याजक और भविष्यवक्ता जब फारसी सरकार का नियंत्रण था। वह बेरेकियाह का पुत्र था और लेवी के गोत्र से था। उसने यहोशू और जरूब्बाबेल को मंदिर का पुनर्निर्माण करने के लिए प्रोत्साहित किया। उसके दर्शन और भविष्यवाणियाँ जकर्याह की पुस्तक में दर्ज हैं। यह जकर्याह बपतिस्मा देने वाले यूहन्ना के पिता से अलग था।

जकर्याह- नये नियम

यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के पिता। एलीशिबा उनकी पत्नी थीं। वह लेवी के गोत्र और हारून के परिवार से एक याजक थे। जब यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले का जन्म हुआ, तो जकर्याह ने एक सुंदर भविष्यवाणी की थीं।

जबूलून

याकूब और लिआ का छठा पुत्र। इब्रानी भाषा में नाम जबूलून का अर्थ संभवतः सम्मान होता है। उसका परिवार एक इस्राएली गोत्र बन गया।

जरूरतमंद लोग

पुराने नियम में, जरूरतमंद लोग वे थे जिनके पास खेती के लिए जमीन नहीं थी। भूमि के बिना, वे भोजन नहीं उगा सकते थे या पशुधन नहीं रख सकते थे। बाहरी लोग और विधवाएँ जरूरतमंद लोग थे। ऐसे ही वे बच्चे भी थे जिनके पिता मर चुके थे। यदि लोगों के पास जमीन तो थी लेकिन खेती में सफलता नहीं थी तो वे जरूरतमंद थे। नए नियम में, जो कोई भी गरीब था या जिसे मदद की ज़रूरत थी उसे जरूरतमंद माना जाता था।

जलन रखने वाला

एक तरीका जिससे परमेश्वर खुद को वर्णित करते हैं। वह उस पापपूर्ण तरीके से ईर्ष्यालु नहीं है जिस तरह मनुष्य ईर्ष्यालु हो सकते हैं। मनुष्य दूसरों से ईर्ष्या कर सकते हैं जिनके पास कुछ ऐसा है जिसकी उन्हें स्वयं आवश्यकता है या वे चाहते हैं। पर परमेश्वर तब जलन रखते हैं जब मनुष्य झूठे देवताओं की उपासना करते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि वह एकमात्र सच्चे परमेश्वर हैं। वह एकमात्र उपासना के योग्य हैं।

जहाज

बड़ी नाव जिसे बनाने के लिए परमेश्वर ने नूह को निर्देश दिया था। बाढ़ के दौरान परमेश्वर ने लोगों और जानवरों को इस नाव में सुरक्षित रखा।

जादू

आध्यात्मिक शक्ति का उपयोग जो परमेश्वर से नहीं आता है। लोग इस शक्ति का उपयोग चीजों या अन्य लोगों को नियंत्रित करने की कोशिश करने के लिए करते हैं। वे इस शक्ति का उपयोग दूसरों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश में करते हैं। वे इसका उपयोग खुद को नुकसान से बचाने के लिए करते हैं। वे इसका उपयोग दुनिया में बदलाव लाने की कोशिश के लिए भी करते हैं। प्रायः ये परिवर्तन चमत्कार प्रतीत होते हैं। बाइबल के समय और स्थानों में बहुत से लोग जादू का प्रयोग करते थे। उनका मानना था कि यह आध्यात्मिक शक्ति देवी-देवताओं से आती है। उनका मानना था कि परिवार के मृत सदस्यों की आत्माएँ उन्हें इस शक्ति का उपयोग करने में मदद कर सकती हैं। उनका मानना था कि यह शक्ति प्राकृतिक जगत में भी पाई जा सकती है। कई लोग आज भी इन बातों पर यकीन करते हैं। वे देवताओं, आध्यात्मिक प्राणियों या प्राकृतिक दुनिया की चीज़ों की मदद लेते हैं।

जिल्पा

लिआ की एक सेविका। लिआ ने उसे याकूब को उपपत्नी के रूप में दिया (उपपत्नियाँ)। उसके पुत्रों गाद और अशेर की वंशावलियाँ इस्राएल की जनजातियाँ बन गईं।

जीवन का जल

इस बारे में बात करने का एक तरीका कि कैसे परमेश्वर लोगों को जीने के लिए आवश्यक हर चीज़ प्रदान करते हैं। बाइबल में इसे जीवन देने वाला जल और जीवन का जल भी कहा गया है। पानी तब जीवित होता है जब वह ताज़ा और गतिशील होता है। लोग जीवित रहने के लिए इसे पीते हैं और पौधे और जानवर इसमें रह सकते हैं। भविष्यवक्ताओं ने परमेश्वर को पानी के झरने के रूप में वर्णित किया जिसने अपने लोगों को जीवन दिया। उन्होंने उसे एक चरवाहे के रूप में वर्णित किया जो अपने लोगों को पानी के झरनों तक ले गया। और उन्होंने वर्णन किया कि यरूशलेम से पानी कैसे निकलेगा। यह जल पूरी दुनिया को जीवन देगा। नए नियम में, यीशु ने पवित्र आत्मा को जीवित जल के रूप में वर्णित किया। यीशु उन लोगों को जीवन का जल देता है जो उस पर विश्वास करते हैं। इसका मतलब यह है कि वह उनके साथ पवित्र आत्मा साझा करता है। आत्मा वह प्रदान करता है जिसकी उनकी आत्माओं को आवश्यकता होती है। यह वैसा ही है जैसे पानी उनके शरीर को आवश्यक चीजें प्रदान करता है। आत्मा उन्हें दूसरों की सेवा करने में मदद करती है। इस तरह से लोगों के अंदर से जीवन का जल बहता है। प्रकाशितवाक्य में, परमेश्वर उन सभी को जीवन का जल निःशुल्क प्रदान करते है जो उस पर विश्वास करते हैं।

जीवन का वृक्ष

अदन के बगीचे में एक पेड़ था। इसके फल ने लोगों को हमेशा के लिए जीवित रहने की अनुमति दी। आदम और हव्वा के पाप करने के बाद मनुष्यों को इसे खाने की अनुमति नहीं थी। यहेजकेल ने मन्दिर के दर्शन में जीवन के वृक्ष जैसे वृक्षों को देखा (यहेजकेल 47:12)। प्रकाशितवाक्य में, यूहन्ना ने इस वृक्ष को नये स्वर्ग और नयी पृथ्वी में देखा (प्रकाशितवाक्य 22:2)। परमेश्वर के पवित्र शहर में रहने वाला हर कोई इसे मुफ्त में खा सकता था। इसका मतलब यह था कि उनके पास अनन्त जीवन था और वे सदैव परमेश्वर के साथ रहते थे।

जीवन की पुस्तक

बाइबिल में जीवन की पुस्तक के दो अर्थ हैं। इसे परमेश्वर की पुस्तक भी कहा जाता है। पुराने नियम में, यह उन लोगों के बारे में बात करने का एक तरीका था जो जीवित हैं। इसे एक पुस्तक में एकत्रित नामों की सूची के रूप में वर्णित किया गया था जिसे परमेश्वर लिखते हैं। नए नियम में, यह उन लोगों के बारे में बात करने का एक तरीका था जो यीशु का अनुसरण करते हैं। इसे परमेश्वर के मेमने से संबंधित रूप में वर्णित किया गया था। जीवन की पुस्तक वास्तव में नामों के साथ लिखी हुई पुस्तक नहीं है। यह उन लोगों के बारे में बात करने का एक तरीका है जो जीवित हैं या जो यीशु में विश्वास करते हैं।

जैतून का पहाड़

यरूशलेम के पूर्वी हिस्से में तीन चोटियों का एक समूह। इसे किद्रोन घाटी द्वारा यरूशलेम से अलग किया गया है। वहाँ एक जैतून का बाग था जहाँ यीशु अक्सर जाते थे।

जैतून का पेड़

भूमध्य सागर के आसपास के क्षेत्र में एक आम पेड़। जैतून के पेड़ और उनके फल भोजन, तेल, औषधि और लकड़ी प्रदान करते हैं। बाइबल के लेखकों ने अन्य बातों को समझाने के लिए जैतून के पेड़ को एक संकेत के रूप में इस्तेमाल किया। पत्तियाँ शांति का प्रतीक थीं। तेल का उपयोग वस्तुओं या लोगों का अभिषेक करने और उन्हें पवित्र मानकर अलग करने के लिए किया जाता था। तेल भी परमेश्वर की आत्मा के लिए एक चिन्ह था। तेल जैतून को कुचलकर बनाया जाता है। यह मरने से पहले जैतून पर्वत पर यीशु की पीड़ा की तस्वीर है। जैतून के पेड़ भी परमेश्वर के लोगों की एक तस्वीर हैं।